स्वस्थ समाज संरचना का संकल्प – जीवन विज्ञान : आचार्य महाप्रज्ञ, जीवन विज्ञान प्रणेता

Jeevan Vigyan (Science of Living)
e-Newsletter
Volume : 2; Number : 11
Editor
Hanuman Mal Sharma

जीवन विज्ञान : स्वस्थ समाज संरचना का संकल्प

भावात्मक विकास का एक पहलू है – नैतिक विकास। इसके दो रूप हैं – सामाजिक नैतिकता और वैयक्तिक नैतिकता। एक समाज या संस्था कुछ नियम, उपनियम बनाती है। यह ध्यान नहीं रखती की व्यक्ति की वासना, वृत्तियां, संवेग कैसे हैं? विचार किये बिना वह नियम बना देती है। यह सामाजिक नैतिकता और अनुशासन है।

वैयक्तिक नैतिकता का अर्थ है – व्यक्तिगत संवेगों और वृत्तियों पर नियंत्रण करना।

शिक्षा के साथ दोनों प्रकार की नैतिकता का संबंध होता है। विद्यार्थी समाज में जीता है। उसे सामाजिक प्राणी बनना है। उसको समाज के नियमों को मानना है, राष्ट्र के नियमों का भी पालन करना है, क्योंकि वह राष्ट्र में रहता है। यदि शिक्षा के द्वारा उसकी यह मानसिकता नहीं बनती है तो वह अच्छा विद्यार्थी नहीं बन सकता। इससे भी अधिक जरूरी है संवेगों पर नियंत्रण करना। यह नैतिकता का महत्वपूर्ण बिन्दु है। यह शिक्षा के साथ जुड़े।

शिक्षा के साथ मानसिक शक्ति के विकास की बात भी जुड़ी होनी चाहिए। इस शक्ति का विकास जिस राष्ट्र, समाज या व्यक्ति में नहीं होता, वह कमजोर हो जाता है। आज के व्यक्ति में मनोबल का विकास और भावात्मक विकास दोनों न्यून हैं। शिक्षाशास्त्री इनके विकास के लिये नई–नई पद्धतियां प्रस्तुत कर रहे हैं। आज अपेक्षा है कि सामाजिक परिवेश बदले और वर्ग–संघर्ष, वैमनस्य आदि समस्याएं समाहित हों। इसके लिए भावात्मक विकास अपेक्षित है।

मूल्यपरक शिक्षा अनिवार्य हो : मुनि महेन्द्र कुमार

जीवन विज्ञान दिवस समारोह 2011

लाडनूँ 8 नवम्बर। 'आज पूरा देश भ्रष्टाचार अनैतिकता, हिंसा, नशाखोरी, आदि महामारी की चपेट में है। इसका एक मात्र सचोट एवं स्थायी उपचार है– वह मूल्यपरक प्रायोगिक शिक्षा, जिसका आधार हो आधुनिक न्यूरोसाइंस की मस्तिष्कीय प्रशिक्षण की मौलिक अवधारणाएं। ऐसी शिक्षा से ही व्यक्ति में सदाचार, चरित्र, संयम, सेवा, परोपकार एवं स्वार्थ–त्याग के उदात्त संस्कारों का सुदृढ़ बीज–वपन संभव है। जीवन विज्ञान इसी शिक्षा पद्धति का एक वैज्ञानिक प्रकल्प है, जिससे हजारों– हजारों विद्यार्थियों का सही व्यक्तित्व निर्माण हो रहा है।' ये विचार जैन विश्व भारती में **जीवन विज्ञान दिवस** के अवसर पर आयोजित स्कूली छात्र–छात्राओं की विशाल रैली को संबोधित करते हुए आचार्यश्री महाश्रमण के आज्ञानुवर्ती विद्वान प्रोफेसर मुनि महेन्द्र कुमार ने अभिव्यक्त किये। रैली का शुभारम्भ स्थानीय सेवग चौक से लाडनूँ न्यायिक मजिस्ट्रेट, रामपाल चौधरी ने हरी झण्डी दिखाकर किया। रैली में लाडनूँ नगर के 21 प्रतिष्ठित विद्यालयों ने भाग लिया।

जैन विश्व भारती स्थित सुधर्मा सभा में आयोजित मुख्य समारोह कार्यक्रम का शुभारम्भ मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी द्वारा नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। मुनिश्री अजीत कुमार एवं मुनिश्री अभिजीत कुमार ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। नागौर पुलिस अधीक्षक

क्रमशः ...2

ज्ञान के साथ संस्कार आवश्यक : आचार्य महाश्रमण

जीवन विज्ञान दिवस समारोह 2011

केलवा 8 नवम्बर। तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अधिशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी ने विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ संस्कार की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए कहा कि आज के परिवेश में यह जरूरी है कि युवा पीढ़ी हमारे संस्कारों से विमुख न हो संस्कारों से बच्चों में भावनात्मक सम्पन्नता आती है। आचार्यश्री ने उक्त विचार मंगलवार को आचार्यश्री महाप्रज्ञ को प्रदत्त 'महाप्रज्ञ' अलंकरण के उपलक्ष में आयोजित 'जीवन विज्ञान दिवस समारोह' में उपस्थित विद्यार्थियों एवं श्रावक समाज को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने ज्ञान को जीवन में आलोक बिखेरने वाला बताते हुए कहा कि आदमी में ज्ञान की परिणति होनी चाहिए। हमारे आचार शुद्ध और निर्मल बने रहें। इसकी आज के परिवेश में महत्ती आवश्यकता है। बच्चों को स्कूली जीवन के दौरान ही संस्कार का बीजारोपण किया जाये तो इसका भविष्य में फल भी अच्छा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि जीवन विज्ञान विषय जीवन जीने की कला सिखाता है। जीवन में संकल्प का विकास हो। आचार्यश्री तुलसी की ओर से शुरू किया गया अणुव्रत आन्दोलन एवं जीवन विज्ञान, धार्मिकता, आध्यात्मिकता एवं नैतिकता का भाव पुष्ट करता है।

इस अवसर पर प्रेक्षा प्राध्यापक मुनिश्री किशनलालजी ने जीवन विज्ञान के प्रयोग कराते हुए उनकी निरन्तरता पर बल दिया। मुनिश्री नीरजकुमारजी एवं प्रमोद मूथा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस समारोह में केलवा के 11 विद्यालयों से लगभग 2000 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम आयोजन में आचार्यश्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति का महत्वपूर्ण सहयोग मिला।

देशभर में मनाया गया 'जीवन विज्ञान दिवस समारोह'

08नवम्बर। लाडनूँ। परमश्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी के आध्यात्मिक सान्निध्य एवं जीवन विज्ञान प्रभारी प्रेक्षा प्राध्यापक मुनिश्री किशनलालजी के निर्देशन में जीवन विज्ञान अकादमी, केन्द्रीय कार्यालय, जैन विश्व भारती के दिशा–निर्देशों से सम्पूर्ण देश में आचार्यश्री महाप्रज्ञ को प्रदत्त ''महाप्रज्ञ'' अलंकरण के उपलक्ष में कार्तिक शुक्ला त्रयोदशी 08 नवम्बर, 2011 (मंगलवार) को समारोहपूर्वक मनाने के समाचार प्राप्त हुए हैं। जीवन विज्ञान दिवस समारोहपूर्वक मनाने की प्रक्रिया वर्ष 2005 से प्रारम्भ हुई। समारोह हेतु पोस्टर एवं पेम्पलेट 'चुन्नीलाल मनीराम कोठारी चेरीटेबल ट्रस्ट (राजगढ़), कोलकाता' का सौजन्य प्राप्त हुआ। देशभर में आयोजित समारोह की कुछ झलकियां निम्नानुसार हैं –

दिल्ली –जी.वि.अ.दिल्ली के निर्देशन में सुमेरमल जैन पब्लिक स्कूल, जनकपुरी में आयोजित समारोह में पेन्टिग, निबन्ध, बैनर बनाने, भाषण आदि प्रतियोगिताओं के साथ भव्य रैली, अणुव्रत गीत, संकल्प, यौगिक क्रियाओं आदि का आयोजन हुआ। इसी प्रकार शाहदरा के ओसवाल भवन में साध्वीश्री यशोमतीजी के सान्निध्य में कार्यक्रम हुआ। **जगरांव** – सेंट महाप्रज्ञ स्कूल द्वारा अपने विद्यालय में निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन। **पेटलावद** – तुलसी बाल विद्या मंदिर के कक्षा 6 से 10 के छात्रों ने केलवा उपस्थित होकर एवं शेक्ष विद्यार्थियों ने विद्यालय में निबंध प्रतियोगिता, उद्घोष एवं आसनों के प्रदर्शन से इस दिवस को मनाया। **मंडी आदमपुर** – साध्वी राकेशकुमारीजी 'बायतू' के सान्निध्य में विद्यालयी छात्र–छात्राओं एवं

क्रमश...2 देशभर में

स्वस्थ समाज का हेतु पारिवारिक सौहार्द : मुनि किशनलाल

परिवार प्रेमपूर्ण सहअस्तित्व का स्वर्णिम मंदिर है, जहां एक–दूसरे की श्रेष्ठता को संजोया जाता है। परिवार का प्रत्येक सदस्य पवित्र माला के मनके जैसा है, जिसमें परिवार की माला का सौहार्द प्रस्फुटित होता है। स्वस्थ परिवार समाज की एक ऐसी कड़ी है, जो मिलकर स्वस्थ एवं श्रेष्ठ समाज का निर्माण करती है। श्रेष्ठता का सूत्र है–सौहार्द।

परिवार के प्रत्येक सदस्य में सौहार्द हो तो सद्भाव के फूल अपने आप खिलते हैं और सौहार्द की कमी हो तो वहां क्लेष के कांटे फूटने लगते हैं। हिंसा केवल सीमा पर होने वाले युद्ध अथवा आतंकवाद के कारण ही नहीं वरन परिवार में भी है। जब परिवार के सदस्य एक–दूसरे की कमी, निन्दा और घृणा में उलझने लगते हैं, तब पारिवारिक हिंसा का दौर प्रारम्भ हो जाता है। परिवार के सदस्य जहां अपने आपको श्रेष्ठ साबित करने एवं एक–दूसरे की कमियों को उजागर कर, नीचा दिखाने की प्रवृत्ति में संलग्न होने लगते हैं तब परस्पर दूरियां बढ़ती जाती है। यहां तक कि पति–पत्नी में मनमुटाव से भरे मन में तलाक तक की स्थितियां पैदा हो जाती है।

प्रेम के मन्दिर में सौहार्द की गंगा बहाने का एक प्रयोग कर सकते हैं। एक–दूसरे की अच्छाई को अभिव्यक्ति देने का प्रयास करें। कमियों की बड़ी लाइन अपने आप छोटी होती जाएगी और अच्छाईयों की बड़ी लाईन अपने आप बन जाएगी। प्रातः उठते ही अपने प्रति एवं सबके प्रति मंगल भाव करें। आपका अपने आप मंगल हो जाएगा।

क्रमश...2 देशभर में... प्रशिक्षकों को राज.बहुतकनीकी संस्थान के मल्टीपर्पज हॉल में जीवन विज्ञान का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण। **मंडी गोविन्दगढ़** – साध्वीश्री उज्ज्वलकुमारीजी के सान्निध्य में स्थानीय विद्यालयों के लगभग 750 विद्यार्थियों की नशामुक्ति रैली। **टिटिलागढ़ (उड़िसा)** – के 12 विद्यालयों में वाद–विवाद, निबंध तथा चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन उड़िसा प्रान्तीय जी.वि.अ. की ओर से किया गया। **भिलाई** –भिलाई स्टील प्लाण्ट एवं शासकीय विद्यालयों के लगभग 1300 विद्यार्थियों की भव्य जीवन विज्ञान रैली का आयोजन। **सरदारशहर**– जी.वि.अ.संस्था सरदारशहर द्वारा आदर्श ग्राम बरड़ासर के राज. माध्यमिक विद्यालय में जीवन विज्ञान का प्रायोगिक प्रशिक्षण एवं नशामुक्ति, नेत्रदान, रक्तदान, भ्रूणहत्या आदि विषयों पर रैली। **मोमासर** – मुनिश्री वत्सराजजी के सान्निध्य में तेरापंथी सभा, तेयुप, महिला मंडल, कन्या मंडल एवं स्थानीय विद्यालयी बच्चों द्वारा जीवन विज्ञान रैली एवं सभा का कार्यक्रम आयोजित हुआ। **नोखा** – साध्वीश्री काव्यलता जी के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में हनुमन्त हेप्पी होम एवं भगवान महावीर विद्यालय के लगभग 200 विद्यार्थियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। **जोधपुर** – साध्वीश्री यशोधराजी के सान्निध्य में आयोजित जीवन विज्ञान रैली में महावीर उ.प्रा.वि., फूलचंद बा.वि. सिंहपोल, महावीर पब्लिक स्कूल, अणुव्रत समिति, ते.यु.प., महिला मण्डल आदि ने भाग लिया। **चुरू** – साध्वीश्री रामकुमारीजी के सान्निध्य में भाषण प्रतियोगिता एवं रैली का आयोजन। जैन केशर बालिका, एस.के.मेमो. पब्लिक स्कूल एवं जैन श्वे.ते.उ.मा.वि. ने भाग लिया। इसी प्रकार देश के अनेक भागों से इस दिवस को मनाये जाने के समाचार हैं। विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम की चित्रमय झांकी यहां प्रस्तुत है –

जीवन विज्ञान दिवस

दिल्ली

मंडी आदमपुर

क्रमश... 2 माननीय हरिप्रसाद शर्मा के मुख्य आतिथ्य में समूहगान प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें नगर के 11 विद्यालयों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सर्वश्री बच्छराज नाहटा, अध्यक्ष, न.पा., ताराचन्द रामपुरिया, प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत विशेषाधिकारी हेमन्त नाहटा ने किया।

जै.वि.भा. विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. मिश्रा ने जीवन विज्ञान का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। पुलिस अधीक्षक हरिप्रसाद शर्मा ने विद्यार्थी जीवन को जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय बताते हुए इस समय को अच्छी आदतों के निर्माण एवं आध्यात्मिकता की ओर उन्मुख होने तथा समय के सदुपयोग के लिये प्रेरित किया।

रैली में सर्वोत्तम अनुशासन हेतु आदर्श विद्या मंदिर, लाडमनोहर बाल निकेतन एवं विमल विद्या विहार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा सुभाष बोस शिक्षण संस्थान को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। समूहगान प्रतियोगिता में लाडमनोहर बाल निकेतन एवं आदर्श विद्या मंदिर को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा विमल विद्या विहार एवं भंवरीदेवी आर्य मेमोरियल स्कूल को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। गायन प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका लाडनूँ के जाने–माने संगीतकार मनोज दाधीच एवं आकाशवाणी गायक अनूप तिवाड़ी द्वारा निभाई गई। रैली प्रतियोगिता का मूल्यांकन समाजसेवी ललित कुमार वर्मा एवं डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज द्वारा किया गया। कार्यक्रम का कुशल संयोजन जी.वि.अ. के सहायक निदेशक हनुमान मल शर्मा एवं आभार ज्ञापन संयुक्त निदेशक ओमप्रकाश सारस्वत द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जैन विश्व भारती निदेशक, राजेन्द्र खटेड़ सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। सेवग चौक स्थित चारभूजा मंदिर के पुजारी एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा भी जल व्यवस्था आदि का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। सभी के प्रति हार्दिक आभार।

लाडनूँ
सरदारशहर
जोधपुर
भिलाई
नोखा

जीवन विज्ञान दिवस समारोह 2011